खबर संक्षेप

1 अगस्त से लेखा प्रशिक्षण का सत्र

उमरिया। प्राचार्य प्रशिक्षण शाला रीवा ने बताया कि लेखा प्रशिक्षण का नियमित सत्र 1 अगस्त से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा । आवेदन 24 जुलाई तक कार्यालय प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण शाला रीवा में स्वीकार किए जाऐगे । अध्दशासकीय विभाग के प्रशिक्षणार्थियों को दो हजार रूपये का चलान संबंधित शीर्ष में जमाकर आवेदन पत्र के साथ कार्यालय में जमा करना होगा। प्रशिक्षण में वही लिपिक वर्गीय कर्मचारी शामिल हो सकेगे जिनकी सेवा नियमित रूप से एक वर्ष या उससे अधिक हो । लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश एवं परीक्षा तथा अग्रिम वेतन वृद्धि के संबंध मे शासन व्दारा समय समय पर जारी नियम, निर्देश मान्य होगे ।

शॉर्ट सर्किट से दुकान मे लगी आग से लाखों का सामान जलकर खाक

कोतमा। कोतमा से दस किलोमीटर दूर निगवानी गांव में शनिवार की देर शाम को सत्यप्रकाश उपाध्याय की इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर दुकान व गोदाम में अचानक आग लगने से लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने की घटना से आस पास हड़कंप मच गया। आग़ लगने की खबर पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई। ग्रामीणों द्वारा अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया जाता रहा। सूचना पर कोतमा से नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम भी पहुंचते हुए आग बुझाने में मदद की। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आगजनी से 15 लाख रुपए से ज्यादा के सामान का नुकसान होना बताया जा रहा है। दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक फर्नीचर के समान सोफा, गद्दे, पलंग, कूलर सहित बिजली के महंगे सामान जलकर स्वाहा हो गया। सत्य प्रकाश द्वारा थाना में दी गई सूचना के अनुसार शाम को 4 बजे दुकान बंद कर उरतान चला गया। 7 बजे लगभग़ पड़ोसी ने आग लगने की जानकारी फोन कर बताया। पहुंचने पर तेज लपट उठ रही थी। आसपास के लोगों के साथ दमकल की मदद से 2 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने से पक्के दुकान की दीवारो में दरार पड़ गई।

लाख शिकवा शिकायतों के बाद भी टस से मस नही हुआ शराब दुकान

कोतमा। नगर के आबादी परिसर बस स्टैंड, स्टेट बैंक शाखा एवं बाजार क्षेत्र वार्ड 4 में स्थित शराब दुकान हटाने को लेकर वार्डवासियों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। शराब दुकान हटाने को लेकर वार्डवासियों द्वारा जिला कलेक्टर, आबकारी विभाग, नगर पालिका सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायत करते हुए दुकान हटाने की मांग की गई थी, लेकिन शराब दुकान हटाने को लेकर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी आलम यह है की मुख्य मार्ग में संचालित शराब दुकान के सामने व आसपास लगी मीट एवं अंडे की दुकानों में बैठकर शराब का सेवन करते हैं और अश्लील गाली गलौज करते हुए देर रात तक हंगामा किया जाता है। जिससे वार्डवासी परेशान रहते है। बस स्टैंड के पास शराब दुकान होने की वजह से देर रात तक राहगीर एवं नागरिकों का आना-जाना बना रहता है जो कि इन नशाखोरों की गाली गलौज एवं अभद्र भाषण से शर्मसार होने को मजबूर रहते हैं।शराब दुकान के कारण ही एक दर्जन से ज्यादा ठेले की दुकान होने के कारण शराबी वहीं बैठकर शराब का सेवन करते हैं और रोड में ही खाली बोतल व मीट फेक दिये जाने से लोगों में जमकर नाराजगी बनी रहती है। नगर एवं वार्डवासियों द्वारा सैकड़ो की संख्या में कई बार मंत्री दिलीप जायसवाल से मिलकर होने वाली गतिविधियों व परेशानी को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए शराब दुकान हटाए जाने की मांग भी की जा चुकी है, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा दुकान हटाने संबंधी कार्यवाही नहीं कर रही है। शराब दुकान से प्रताड़ित वार्ड के प्रकाश गुप्ता, धर्मेंद्र वर्मा, रामकुमार, श्यामलाल, मोहिनी वर्मा, रमा गुप्ता, अंजली मिश्रा, रज्जू सोनी संजय गुप्ता सहित अन्य लोगों का कहना है कि शराब दुकान के कारण शाम ढलते हो शराबखोरी एवं हंगामा शुरू हो जाता है जो देर रात जारी रहता है। शराब दुकान के कारण व्यापार भी प्रभावित हो रहा दूसरी ओर घर की महिलाएं बाहर नहीं निकल पा रही।

होम्योपैथी की जगह एलोपैथी इलाज कर रहे डॉ. साहू

बड़ों से लेकर बच्चों की जिंदगी के लिए खतरा

विचारपुर में चल रहा अवैध क्लीनिक, कार्यवाही की दरकार

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और कानून के ढीले प्रावधानों के चलते एक होम्योपैथी चिकित्सक द्वारा एलोपैथी इलाज किए जाने का मामला सामने आया है। बिना उचित एलोपैथिक डिग्री के यह चिकित्सक वर्षों से इंजेक्शन, ऐंटीबायोटिक और दवाइयां देकर मरीजों का इलाज कर रहा था।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

जिले में चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था की साख पर उस वक्त सवाल उठ खड़े हो गए, जब यह खुलासा हुआ कि एक मेडिकल कॉलेज में कार्यरत नर्स का पति, जो केवल होम्योपैथी डिग्रीधारी है, वर्षों से अवैध रूप से एलोपैथी क्लीनिक चला रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभागीय मुख्यालय के बिरसामुण्डा मेडिकल कॉलेज में कार्यरत स्टाफ नर्स का पति ए.के.साहू केवल बी.एच.एम.एस. (होम्योपैथी) डिग्रीधारी है, लेकिन वह खुलेआम जिला मुख्यालय से सटे विचारपुर में एलोपैथी क्लीनिक चला रहा है। उसके क्लीनिक में इंजेक्शन, ऐंटीबायोटिक्स और एलोपैथिक दवाएं बिना किसी कानूनी अधिकार के मरीजों को दी जा रही हैं।

मरीजों की जान से खिलवाड़

विशेष बात यह है कि चिकित्सक की पत्नी खुद सरकारी मेडिकल कॉलेज की कर्मचारी है, जिससे यह संदेह और भी गहरा हो गया है कि क्या इस अवैध क्लीनिक को संस्थागत शह मिल रही है। उक्त क्लिनिक में रोज़ाना दर्जनों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। मरीजों को एलोपैथी दवाएं दी जाती हैं और गंभीर मामलों में इंजेक्शन और ड्रिप तक चढ़ाई जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि मरीजों की जान से सीधा खिलवाड़ भी है। ऐसे अवैध प्रैक्टिस से मरीजों की स्थिति बिगड़ सकती है।

बच्चों का कर रहा इलाज

डॉ. साहू चिकित्सक छोटे बच्चों का इलाज एलोपैथी पद्धति से कर रहा है, जिससे मासूमों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, ए.के.साहू जो केवल बीएचएमएस (बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी) की डिग्रीधारी है, कई वर्षों से स्थानीय स्तर पर क्लीनिक संचालित कर रहा है। हालांकि उसकी डिग्री केवल होम्योपैथिक पद्धति में इलाज की अनुमति देती है, लेकिन वह खुद को बाल रोग विशेषज्ञ की तरह एलोपैथिक दवाओं से बच्चों का इलाज कर रहा है। डॉक्टर बच्चों को सर्दी, बुखार, डायरिया, उल्टी और सांस की तकलीफ जैसी बीमारियों के लिए एंटीबायोटिक्स, पेरासिटामोल इंजेक्शन और ड्रिप तक चढ़ा देता है। उसके क्लीनिक में एलोपैथिक दवाओं का बड़ा स्टॉक भी मिला है।

कार्यवाही की दरकार

विशेषज्ञों का कहना है कि होम्योपैथी डिग्रीधारी डॉक्टर को केवल अपनी पद्धति में इलाज करने की अनुमति होती है। एलोपैथिक दवाएं देना, खासकर बच्चों को, न सिर्फ गैरकानूनी है बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकता है। जागरूक लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी मासूम की जान खतरे में न पड़े। इसके साथ ही मेडिकल पंजीयन और निगरानी व्यवस्था को भी मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

खैरहा रोड पर किराना दुकान की आड़ में सट्टे का गोरखधंधा

शहडोल। जिले के बुढार क्षेत्र के खैरहा रोड स्थित एक किराना दुकान की आड़ में चल रहे अवैध सट्टा और जुए के कारोबार का खुलासा हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विजय गुप्ता नामक व्यक्ति, जो कि रोहिणी प्रसाद गुप्ता का पुत्र है, ने अपने घर के सामने एक किराने की दुकान खोली है। परंतु यह दुकान मात्र दिखावे के लिए है, जानकारी के अनुसार, विजय का छोटा भाई विमल भी इसी घर में रहता है। प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से लेकर शाम 4 से 5 बजे तक जुएबाजों की भीड़ उसके घर पर देखी जाती है। विशेष रूप से मंगलवार के दिन, विजय गुप्ता के घर पर जुए का बड़ा आयोजन होता है, जिसमें दर्जनों लोग भाग लेते हैं। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि विजय गुप्ता प्रतिदिन 30 से 40 हजार रुपये तक की नकद राशि इस अवैध कारोबार से कमा रहा है। इसके बावजूद अब तक कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि इस अवैध गतिविधि की गंभीरता से जांच की जाए और आरोपी पर सख्त कार्यवाही हो। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे युवाओं पर भी गलत प्रभाव पड़ रहा है। प्रशासन से अपेक्षा है कि इस मामले में सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कबाड़ के अवैध कारोबार पर नहीं लग रहा अंकुश

उमरिया।

जिला मुख्यालय सहित पाली थाना अंतर्गत अवैध कबाड़ का गोरख धंधा चरम सीमा पर है, लेकिन पुलिस कार्यवाही ना कर, कहीं ना कहीं इन्हें संरक्षण देने का कामकर रही है, जब कोई बड़ी घटना या वारदात हो जाती है तो, पुलिस हरकत में आकर कार्यवाही करने के लिए बाध्य होती है, वह भी उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद बाहरी कबाड़ी आ गए हैं, जिले का पाली सहित आस-पास के क्षेत्र में कबाड़ के गोरखधंधे खुलेआम संचालित कर रहे हैं, फिरोज इस कारोबार को चला रहा है, अवैध कबाड़ की दुकान इन कबाडिय़ों के दिन पर दिन हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। जिसके चलते छोटी-सी बड़ी चोरी की घटनाएं हो रही है, जिसमें समय पर लगाम नहीं लगाया गया तो, बड़ी घटना होने की आशंका है।
जिले में कबाड़ की दुकान को व्यापक पैमाने पर फैलाने के लिए घघरी नाका मानपुर रोड के साथ-साथ पास अवैध कबाड़ का संचालित कर आस- पास के दर्जनों जगह से अवैध कबाड़ लाकर जबलपुर भेजा जा रहा है, पिपरिया कालरी और रेलवे का वर्षों पुराना रखा हुआ कबाड़ रात के अंधेरे में पार कर अवैध कबाड़ का धंधा संचालित कर लाखों रुपए की हेराफेरी रोजाना हो रही है। मुख्यालय सहित आस-पास के कस्बाई क्षेत्रों में कवाडियों का धंधा खूब फल-फूल रहा है। अधिकतर कबाडिय़ों के पास कोई लाइसेंस भी नहीं है। वहीं कबाडिय़ों के चलते चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही है। अब्दुल का जिले में कबाड़ के कारोबार में सिक्का चलता है। अवैध कबाड़ के काम से जहां अब्दुल लाखों रूपये पीट रहा है, पूर्व में अब्दुल के यहां पुलिस की दबिश के बाद अवैध कबाड़ पकड़ाया था, लेकिन सेटिंग से मामले को इतना छोटा कर दिया गया कि अब्दुल के अदा करने के साथ आदेश लेना होता है, जिसके बाद ऑन लाईन प्रक्रिया के तहत कम्प्यूटर से एक सीट जनरेट होती है, उसके बाद वाहन को काटा जा सकता है, जिसकी जानकारी संबंधित थाने में देनी होती है, हालांकि वाहन जिस जगह पंजीकृत होता है, वहाँ से इसकी अनुमति लेनी होती है, 15 दिनों के भीतर थाने में इस बात की सूचना देनी होती है, उसके बाद कई वाहनों को कटवा देते हैं।

लालपुर हाई स्कूल में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम संपन्न

पढ़ाई को बोझ नहीं, अपनी ताकत बनाइए-श्रीमती सीमा जैन

उमरिया।

बच्चे देश के भविष्य हैं। पढ़ाई को बोझ नहीं, अपनी ताकत बनाइए। क्योंकि शिक्षा से ही विकास के व्दार खुलते है । शिक्षित समाज से ही अच्छे समाज का निर्माण होता है । मेहनत की राह कभी आसान नहीं होती, लेकिन उसका फल जरूर मीठा होता है। इसलियें आवश्यक है कि आप सभी मन लगाकर पढ़े, और जिले का नाम रोशन करें। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा जैन ने लालपुर हाई स्कूल में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आप देश की युवा पीढ़ी है। नशे से दूर रहे। नशा करने से जहां एक परिवार में कलह उत्पन्न होती है वहीं दूसरी ओर शरीर पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है । इस दौरान उन्होने उपस्थित बच्चों को नशा नही करनें का संकल्प दिलाया । प्रवेश उत्सव के अवसर पर छात्रों को न सिर्फ पुस्तकें भेंट कीं, बल्कि स्नेह और उम्मीदों का साथ भी दिया। डॉ. ऋचा गुप्ता ने बच्चों को खुद को साफ-सुथरा रखने,अच्छे वस्त्र पहनने और घर-विद्यालय के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी दिव्य गुप्ता, और डॉ. ऋचा गुप्ता भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिसर में फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। श्रीमती जैन सहित सभी अतिथियों ने हरित भविष्य का संकल्प लेते हुए बच्चों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया।साथ ही, शाला प्रबंधन को विद्यालय को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायक वातावरण देने की सलाह दी गई , ताकि हर बच्चा बिना किसी डर या संकोच के सीख सके, बढ़ सके और अपने सपनों को साकार कर सके।

सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण परीक्षा संपन्न

उमरिया। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जिला उमरिया द्वारा मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से जिले के विकासखंड मानपुर की ग्राम पंचायत मुडग़ुडी एवं सलैया ग्राम पंचायत की 35 स्वसहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संस्था द्वारा सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन का 12 दिवसीय प्रशिक्षण संस्था की संचालक तरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात ओम प्रकाश चतुर्वेदी परीक्षा नियंत्रक एवं प्रमाणीकरण रूट से टी भारत सरकार ब्रांच भोपाल के मार्गदर्शन में सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी से संबंधित परीक्षा परीक्षक रामसुख दुबे कटनी एवं बैंक से संबंधित परीक्षा परीक्षक पवन कुमार पांडे अनूपपुर द्वारा लिखित, मौखिक एवं प्रैक्टिकल परीक्षा ली गई। परीक्षा में नर्सरी प्रबंधन विभिन्न सब्जियों के बीजों एवं किस्म की जानकारी विभिन्न सब्जियों की कृषि कार्य शाला,सब्जियों में लगने वाले विभिन्न रोग एवं कीट तथा उनके नियंत्रण की जानकारी पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण जैविक खाद एवं कीटनाशक ,प्लास्टिक मल्चिंग,सिंचाई प्रबंधन,ड्रिप सिंचाई,पाली हाउस,सब्जी उत्पादन से लाभ,सब्जियों के प्रकार एवं पोषण वाटिका एवं उद्यमशील व्यक्तियों की विशेषताएं बैंकों में विभिन्न प्रकार के खाते तथा बैंकिंग से संबंधित विषयों का मूल्यांकन किया गया । प्रशिक्षण जनक नंदिनी द्विवेदी ने दिया। परीक्षा संपन्न कराने में संस्था के कर्मचारी आर बी जयसवाल, आशीष पटेल,जगत राठौर एवं सोम कुमार तथा पंचायत सचिव रामकेश राय आदि ने सहयोग किया।

सात दिन से बीएसएनएल की मोबाइल सेवाएं ठप

राजनगर। मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल के सतना बीए के अंतर्गत अनूपपुर जिले में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत बीएसएनएल कंपनी की मोबाइल नेटवर्क सेवाएं 05.07.2025, शनिवार सुबह नौ बजे से डोला से राजनगर के मध्य ऑप्टिकल फाइबर कटने के कारण क्षेत्र के बीएसएनल मुख्य दूरभाष केंद्र राजनगर के 2G, 3G, 4G, विगत 7 दिन से बंद पड़ी है। ऐसा पहली बार हुआ है, कि विगत 7 दिन से क्षेत्र की मोबाइल सेवाएं बिल्कुल ठप्प है। विगत कुछ वर्षों से क्षेत्र में ऑप्टिकल फाइबर ज्यादा कट रही हैं। जिसके कारण मोबाइल सेवाएं बाधित हो रही है। राजनगर क्षेत्र के अंतर्गत सेंट्रल बैंक, हॉस्पिटल, कोल माइंस कि खदानें , एंव आवश्यक स्थानो में नेट एंव मोबाइल सेवाएं बंद है। विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मोबाइल सेवाएं एवं नेट सेवाएं बहाल करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक, सतना बीए के महाप्रबंधक, तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बीएसएनएल सिम धारकों ने शीघ्र ही मोबाइल व इंटरनेट की सेवाएं प्रारंभ किए जाने की मांग कि है। साथ ही एक बड़ी समस्या दूरभाष केंद्र राजनगर में बैटरी की है, बैटरी खराब होने के कारण बिजली कटौती के दौरान मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बंद हो जाती है। पुराने बीएसएनएल सिम धारकों ने विभाग से इन समस्याओं के स्थाई निराकरण की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक राजनगर में दूरभाष सेवाएं प्रारंभ नहीं हो सकी थी।

एम आर 1, एम आर 2 टीकाकरण हेतु बनाई गई योजना

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल ने बताया कि एम आर वैक्सीन एक ऐसा टीका है जो आपके बच्चे को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला से बचा सकता है। ये गंभीर वायरल संक्रमण हैं जो निमोनिया , मस्तिष्क की सूजन , अंधापन, सुनने की क्षमता में कमी और मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण बनता है।
जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर रिचा गुप्ता द्वारा बताया गया कि 12 जुलाई तक आयोजित कैचअप राउंड के दौरान योजनबद्ध सत्रों को टीकाकरण के यूविन पोर्टल पर शत प्रतिशत संचालित कर टीकाकरण की एंट्री की गई है। डॉ ऋचा गुप्ता ने बताया कि शिशु को टीकाकरण हेतु एम आर कैच अप कवच के अंतर्गत करकेली ब्लाक के मझगवां और कारीमाटी क्षेत्रों में झमाझम बारिश के बीच नदी- नाले पार कर छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण किया गया। बैगा जनजाति के प्रतिरोधी परिवारों के बीच जाकर वीसीसीएम, सुपरवाइजर एएनएम और आशा की टीम के साथ स्वयं जिला टीकाकरण अधिकारी के द्वारा परिवार जनों की टीकाकरण संबंधित भ्रांतियों को दूर कर टीकाकरण हेतु प्रेरित किया गया और एम आर 1, एम आर 2 एवं अन्य वैक्सीन से छूटे हुए बच्चों को बुलाकर उनका टीकाकरण करवाया गया तथा जनमानस को टीकाकरण से संबंधित जागरूकता हेतु विस्तृत जानकारी भी दी गई । इस गतिविधि में सेक्टर सुपरवाइजर प्यारेलाल महोबिया एएनएम शीला ग्राम आशा कार्यकर्ता एवं ग्राम के निवासी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

आपदा प्रबंधन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से निपटने तथा आपदा प्रबंधन के तहत सुरक्षात्मक उपायों के लिए जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम कलेक्टर कार्यालय में स्थापित किया गया है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 7652245371 है। कंट्रोल रूम में 24 घंटे की ड्यूटी के लिए शासकीय सेवकों की ड्यूटी शिफ्टवार निर्धारित की गई है। कलेक्टर ने आम नागरिकों से अपील की है कि कन्ट्रोल रूम के दूरभाष नंबर पर सम्पर्क कर अतिवृष्टि से हुई क्षति, पुल पुलिया के ऊपर पानी बहने, अतिवृष्टि से रास्तों के बाधित होने, जलभराव, जनहानि, फसल हानि आदि की जानकारी प्रशासन को देकर त्वरित सहायता प्राप्त करें।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों एवं उनके बचाव के उपाय

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियां ही प्रमुख रूप से देखी जाती है। दूषित जल के सेवन से टायफाईड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती है। इनसे बचने के लिए भोजन बनाने मे एवं पेयजल के रूप में शुद्ध उबले हुए जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से हाथ अवश्य धोएं। बारिश में शुद्ध पेयजल की समस्या बढ़ जाती है। पानी और अस्वच्छता से फैलने वाली बीमारियों में प्रमुख रुप से दस्त/कृमि संक्रमण/त्वचा और आखों के रोग / मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित है।

सांसद का पुष्पगुच्छ से किया स्वागत

शहडोल। लोकसभा सांसद हिमाद्री सिंह के एक दिवसीय शहडोल प्रवास पर पुष्पगुच्छ से स्वागत

किया गया। उक्त प्रवास अवसर के समय पर उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा का भी पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया गया, साथ ही क्षेत्र में संचालित जनकल्याण की योजनाओं पर भी चर्चा की गई। भाजपा मण्डल जयसिंहनगर के पूर्व मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय द्वारा सर्किट हाउस में पुष्पगुच्छ देकर दोनों वरिष्ठों का आत्मीय स्वागत किया गया।

5 लाख की लागत से बनी सडक़ पहली बारिश में बही

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम पंचायत आखेटपुर के डोंगरी टोला में भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी एक निर्माण कार्य की पोल पहली ही बारिश में खुल गई। यहां लगभग 5 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी सडक़ महज 10 दिनों में ही बारिश की पहली बौछार में बह गई। अब ग्रामीणों द्वारा इस सडक़ की टूट-फूट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है, जिसने प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ग्राम डोंगरी टोला शहडोल जिले के अंतिम छोर पर स्थित है, जहां विकास के दावे कागजों तक सीमित नजर आते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सीसी रोड निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे थे। लेकिन जब लोगों ने इसकी शिकायत की, तो स्थानीय जनपद और पंचायत स्तर पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। लोगों का आरोप है कि सडक़ का बेस नियमानुसार नहीं बनाया गया, जिससे बारिश का पानी बहते ही सडक़ की परतें टूट गईं और सडक़ दरक कर बह गई। सूत्रों के अनुसार, निर्माण कार्य की निगरानी के लिए तैनात इंजीनियर ने भी निर्माण एजेंसी को खुली छूट दे दी, संभवतः कमीशन के लेन-देन के चलते। यही कारण रहा कि सडक़ की मजबूती केवल दिखावटी रही और उसका वास्तविक स्तर पहली ही बारिश में सामने आ गया। ग्रामीणों ने इस घटना का मोबाइल से वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर शेयर किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सीमेंट की मोटी पट्टी जमीन से अलग होकर पूरी तरह दरक चुकी है और सडक़ के नीचे की मिट्टी बह चुकी है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच हो और उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

शासकीय महाविद्यालय में ईमेल आईडी हैक कर किया घोटाला

जनभागीदारी मद में लाखों का फर्जीवाड़ा

शिकायत के बाद भी जांच शून्य, उच्च शिक्षा विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

शहडोल।

जिले के गोहपारू स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रहित में भेजी गई जनभागीदारी मद की राशि में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. मंगल सिंह ने विभागीय अधिकारों और तकनीकी संसाधनों का दुरुपयोग करते हुए फर्जी तरीके से जेम पोर्टल पर खरीददारी की और सरकारी धन का निजी हित में उपयोग किया। इस मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर राजकुमार महोबिया ने उच्च शिक्षा आयुक्त, रीवा के अतिरिक्त संचालक एवं प्रदेश शासन को शिकायत भेजी है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि शिकायत दर्ज होने के एक माह बाद भी कोई जांच शुरू नहीं की गई, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या भ्रष्टाचार के इस मामले को जानबूझकर दबाने की कोशिश की जा रही है?

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता असिस्टेंट प्रोफेसर महोबिया का कहना है कि उन्हें सूचना तकनीक की जानकारी कम है, लेकिन उन्हें महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति, एनएसएस, एल्युमिनाई समिति, जेम पोर्टल इत्यादि के कार्यों का जिम्मा सौंपा गया। इस दौरान उन्होंने कई बार प्रभारी प्राचार्य को अपने व्यक्तिगत विवरण, मोबाइल नंबर और ओटीपी साझा किए। प्रो. महोबिया के अनुसार, इसी विश्वास का गलत लाभ उठाते हुए डॉ. मंगल सिंह ने उनकी शासकीय ईमेल आईडी और ओटीपी के जरिए जेम पोर्टल पर फर्जी अकाउंट तैयार किया और संबंधित क्रय-प्रक्रिया को गुप्त रखते हुए बड़ी मात्रा में सरकारी राशि खर्च की। उन्होंने यह भी बताया कि कई बार बिना कारण बताए उनसे ओटीपी मांगा गया, और खरीददारी के दस्तावेज न तो उन्हें दिए गए, न ही क्रय समिति को किसी प्रक्रिया में सम्मिलित किया गया।

90 प्रतिशत से अधिक राशि गायब

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जनभागीदारी मद में जो लाखों की राशि कॉलेज को भेजी गई थी, उसका करीब 90 प्रतिशत हिस्सा बिना किसी पारदर्शिता के खर्च कर दिया गया। कॉलेज के अन्य प्राध्यापक भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि क्रय समिति को कोई बैठक, प्रस्ताव या जानकारी नहीं दी गई थी। इस तरह से सरकारी धन का दुरुपयोग न केवल गंभीर आर्थिक अपराध है, बल्कि छात्रों के अधिकारों और योजनाओं के साथ धोखा भी है।

उच्च शिक्षा विभाग की चुप्पी संदेहास्पद

सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायत के एक महीने बाद भी जांच क्यों शुरू नहीं हुई? क्या विभाग इस मामले को जानबूझकर नजरअंदाज कर रहा है? या फिर कोई ऊपर से दबाव है? शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं होती, तो वे यह मामला राज्य सूचना आयोग, मानव अधिकार आयोग और लोकायुक्त के समक्ष भी प्रस्तुत करेंगे। गोहपारू के स्थानीय नागरिकों और कॉलेज के कई छात्रों में भी इस पूरे मामले को लेकर नाराजगी है। वे चाहते हैं कि उच्च शिक्षा विभाग तत्काल जांच प्रारंभ करे और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई हो।

आईडी पासवर्ड बदलकर रखा गया अपने पास

असिस्टेंट प्रोफेसर का आरोप है कि जब उन्होंने एक बार संदेह जाहिर किया और पासवर्ड की मांग की तो, पता चला कि उनकी शासकीय ईमेल आईडी का पासवर्ड पहले ही बदल दिया गया है। इसके साथ ही एक अन्य सरकारी ईमेल आईडी भी उनके नाम से बनाई गई थी, जिसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। एक तकनीकी विशेषज्ञ की मदद से जब उन्होंने अपने खाते की जांच करवाई, तो उन्हें यह स्पष्ट रूप से पता चला कि उनकी पहचान का दुरुपयोग कर कई बार पोर्टल से खरीद की गई है।

इनका कहना है...

महोबिया जी स्वयं प्राचार्य बनना चाहते हैं, इसलिए जानबूझकर झूठी शिकायत कर रहे हैं। कॉलेज में हर खरीदी नियमों के अंतर्गत की गई है और सभी दस्तावेज उपलब्ध हैं। मुकेश तिवारी को सारी जानकारी थी और मैंने हर कदम पर उनका सहयोग किया है।

डॉ. मंगल सिंह प्रभारी प्राचार्य
महाविद्यालय, गोहपारू

इनर व्हील क्लब विराट की नई टीम ने समाजसेवा कार्यों की ली शपथ

शहडोल। बीते रविवार को जिले में आयोजित एक भव्य समारोह में इनर व्हील क्लब विराट शहडोल की नई टीम का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस संबंध में क्लब की सचिव ज्योतिका श्रीवास्तव ने बताया कि क्लब की नवगठित टीम ने आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण को लेकर मेगा प्लांटेशन और हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट पर काम करने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही तमाम सेवा कार्यों को करने की योजना के बारे में पटल पर रखा गया। इनर व्हील क्लब की नई अध्यक्ष के रूप में गीतिका खोडियार और सचिव के रूप में ज्योतिका श्रीवास्तव ने शपथ ली। वर्ष 2024-25 की अध्यक्ष रश्मि जसवानी ने अपने कार्यकाल की बातों को मंच से रखा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा मौजूद रहीं। शपथ ग्रहण समारोह में जिला आईएसओ प्रज्ञा मोहिले एवं इंस्टालिंग आफिसर के रूप में मनीषा श्रीवास्तव मंचासीन रहीं। उन्होंने उदबोधन में प्रज्ञा मोहिले ने नई टीम का उत्साह बर्धन किया और कहा कि आप जो संकल्प करेंगी उसे अवश्य पूरा करेंगी ऐसा मुझे विश्वास है। शपथ ग्रहण समारोह में क्लब की पूर्व आइएसओ रूखसाना खान को विशेष रूप से उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। क्लब के नए सदस्यों संध्या पांडेय, नीला दवे, डेजी सिंह, नीलम उपाध्याय, विनीता नामदेव, ज्योति नामदेव तथा निधि श्रीवास्तव को भी शपथ दिलाई गई। इस आयोजन में क्लब की सदस्य उषा सिंघल, निर्मल बग्गा, रत्ना गुप्ता, संध्या शर्मा, नीलम गुप्ता, सत्यभामा गुप्ता, रीनू कटारे, हिमांशी गुप्ता,अंतिमा श्रीवास्तव, नीलिमा भट्टाचार्य, दीपिका निगम, सुधा मिश्रा एवं अंजलि बाजपेयी की मौजूदगी रही। सचिव ज्योतिका श्रीवास्तव ने अपने बीत कार्यकाल और आने वाले कार्यकाल के बारे में विस्तार से बताया।कार्यक्रम का संचालन मोनिका दुवे ने एवं उपाध्यक्ष अर्चना शर्मा ने सभी का आभार जताया।

पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाएः कलेक्टर

आमजन बारिश के दौरान नदी-नालों के पास जाने से बचें: कलेक्टर

विधायक एवं कलेक्टर ने बाढ़ प्रभावित ग्राम सूखा का किया निरीक्षण

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी विधायक शरद कोल एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने ब्यौहारी जनपद के ग्राम सूखा गांव का दौरा कर बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट की और उनकी समस्याओं को सुना। बाढ़ के कारण हुए नुकसान का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने राहत और सहायता कार्यों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम सूखा में अति वर्षा के कारण श्री रामसुमिरन कुशवाह के परिवार के 7 सदस्य पानी से चारों ओर घिरने पर तत्काल रेस्कू कर सुरक्षित स्थान भिजवाया गया। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाई जाए तथा लोगों को पैदल या वाहन को पार न करने दे। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान मेडिकल किट, ब्लीचिंग पाउडर, रस्सी,टार्च सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। कलेक्टर ने लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सडक़ के ऊपर से बहते पानी को क्रॉस ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों, पुराने व कमजोर मकानों में न रहें, प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट पर ध्यान दें व निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष या निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को तुरंत सूचित करें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-अटेंडेंस के विरोध में निकली शिक्षक स्वाभिमान रैली

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

शहडोल।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर एवं प्रांताध्यक्ष श्री भरत पटेल के दिशा-निर्देश में रविवार को जिले में 'शिक्षक स्वाभिमान रैली' का आयोजन किया गया। यह रैली संघ के जिलाध्यक्ष अनिल पटेल के नेतृत्व में निकाली गई, जिसमें जिले भर से सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए। रैली का उद्देश्य था शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और विशेषकर शिक्षकों पर थोपे जा रहे ई-अटेंडेंस सिस्टम का विरोध जताना। रैली के बाद शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम 16 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन सोहागपुर तहसील के नायब तहसीलदार राजकुमार कोल को सौंपा। रैली को संबोधित करते हुए संघ पदाधिकारियों के.एल. यादव, रमेश सोनकर, चंद्रप्रभा पटेल, संतोष शर्मा एवं अनिल पटेल ने कहा कि शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव डालकर दोषपूर्ण ई-अटेंडेंस व्यवस्था थोपना अनुचित है। शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति पहले से ही सजग हैं, ऐसे में टेक्नोलॉजी के नाम पर उन पर निगरानी रखना शिक्षकीय गरिमा के खिलाफ है। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में ई-अटेंडेंस प्रणाली को समाप्त कर परंपरागत उपस्थिति पद्धति लागू करना, शिक्षकों को नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ प्रदान करना, पुरानी पेंशन योजना व ग्रेच्युटी बहाल करना, अनुकंपा नियुक्तियों को सरल बनाना, हड़ताल अवधि का वेतन भुगतान करना, शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करना, अतिथि शिक्षकों को नियमित करना, लंबित पदोन्नति व एरियर राशि का शीघ्र भुगतान शामिल हैं। संघ ने यह भी मांग की कि शिक्षकों को विशेष आपदा और चुनावी कार्य को छोडक़र अन्य कार्यों से मुक्त रखा जाए एवं अर्जित अवकाश की स्वीकृति सुनिश्चित की जाए। रैली में नागेंद्र पांडेय, डॉ. मोनिका श्रीवास्तव, भारती पांडेय, रामकृष्ण तिवारी, सुभाष पटेल, सतीश पटेल, शौरभ गुप्ता, लालजी सिंह, सुरेश साहू, अशोक पटेल, संभू तिवारी, अजीत विश्वकर्मा, राजकुमार पटेल समेत बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शिक्षकों की मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। शिक्षकों का कहना है कि वे केवल सम्मानजनक और व्यावहारिक व्यवस्था चाहते हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो न कि शिक्षकों पर अनावश्यक भार बढ़े।

आरटीआई के के तहत मांगी गई जानकारी देने से किया इंकार

शासकीय विद्यालय के भ्रष्टाचार पर उठे सवाल

शहडोल।

जिले के गोहपारू विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भागा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय इन दिनों सूचना के अधिकार अधिनियम के उल्लंघन और संभावित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर चर्चा में है। आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा विद्यालय से वर्ष 2010-11 से 2019-20 तक मध्यान्ह भोजन योजना से संबंधित कैशबुक और बैंक पासबुक की प्रमाणित प्रतियां मांगी गई थी, लेकिन विद्यालय प्रशासन ने यह कहते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया कि संबंधित जानकारी पूर्व में पदस्थ अधिकारी से जुड़ी है और उनके अनुमति के बिना उपलब्ध नहीं कराई जा सकती।

यह जवाब न केवल सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के विपरीत है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अधिनियम की धारा 6(1) के अनुसार, किसी भी नागरिक को सरकारी कार्य से संबंधित जानकारी मांगने का अधिकार है, और धारा 6(3) के अंतर्गत यदि जानकारी

संबंधित कार्यालय में उपलब्ध नहीं है, तो उसे संबंधित विभाग को स्थानांतरित किया जाना चाहिए। लेकिन इस मामले में न तो जानकारी स्थानांतरित की गई और न ही नियमानुसार उत्तर दिया गया।

सूचना मांगने वाले आरटीआई कार्यकर्ता का कहना है कि मध्यान्ह भोजन योजना में वर्षों से वित्तीय गड़बडिय़ों की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने जानकारी मांगी थी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सरकारी सहायता राशि का सही उपयोग हुआ या नहीं। विद्यालय द्वारा जानकारी देने से इंकार किए जाने पर उन्होंने जिला प्रशासन और जनपद शिक्षा अधिकारी से इस मामले में संज्ञान लेने की अपील की है। कार्यकर्ता का यह भी कहना है कि यदि जिला स्तर पर कार्रवाई नहीं होती, तो वे राज्य सूचना आयोग में शिकायत दर्ज करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का व्यवहार न केवल आरटीआई अधिनियम की भावना के खिलाफ है, बल्कि यह भ्रष्टाचार को छिपाने की एक साजिश भी हो सकती है। शासकीय विद्यालयों में संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग और लेखा-जोखा पारदर्शी होना चाहिए, ताकि जनता का विश्वास शासन-प्रशासन पर बना रहे।

स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि यदि मध्यान्ह भोजन योजना जैसी महत्वपूर्ण योजना में गड़बड़ी हुई है, तो दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और संबंधित अधिकारियों पर क्या कदम उठाए जाते हैं। यदि सूचना देने में आनाकानी की प्रवृत्ति पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो यह सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे मजबूत कानून को कमजोर करने का प्रयास माना जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सूचना के अधिकार का उपयोग करना आज भी आसान नहीं है और पारदर्शिता की राह में अब भी कई रुकावटें मौजूद हैं।

सांसद से मुक्तिधाम निर्माण की मांग

उमरिया।

जिला मुख्यालय की नगर पालिका परिषद अंतर्गत पंडित जवाहर लाल नेहरु वार्ड नंबर 11 में मुक्तिधाम बनवाने के लिए शहडोल सांसद से मांग की गई है। वार्ड 11 की पार्षद पूर्णिमा सुजीत सिंह ने शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह को ज्ञापन

देते हुए यह मांग की है। पार्षद ने कहा है मेरे वार्ड नंबर 11 खलेसर पत्ता गोदाम के पीछे मुक्तिधाम की जमीन जिसका खसरा नंबर 298/612 है, कलेक्टर द्वारा 27 अक्टूबर 2022 को कॉलम नंबर 12 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा 0.101 हे0 शमशान भूमि हेतु आरक्षित की गई है। वार्ड मे तथा वार्ड से लगे क्षेत्र मे नागरिकों को अंतिम संस्कार करने के लिए मुक्ति धाम कहीं नहीं है, जिससे समस्त आमजन को समस्या का सामना करना पड़ता है, इसलिए वार्ड नंबर 11 मे मुक्तिधाम बेहद जरुरी है।

खबर संक्षेप

साखी की जंगलों में हो रही है अवैध कटाई

ब्यौहारी। वन परिक्षेत्र पूर्व के अंतर्गत साखी खरपा, देवराव बीट के लापरवाही से लगातार जंगल में कटाई हो रही है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बड़े-बड़े हरे वृक्षों को आसपास गांव के लोग काट देते हैं और थोड़ा सा उपयोग करने के बाद वहीं पर छोड़ देते हैं इस तरह से लगभग दर्जनों पेड़ काटे गए इसमें सबसे ज्यादा बीट गाड्र्स की है जिनकी जिम्मेदारी रहती है सुबह शाम अपने बीट में घूमने और अवैध गतिविधियों को रोकना और कार्रवाई करना लेकिन उनके द्वारा अपने बीटों का निरीक्षण नहीं किया जाता जिससे जंगलों की लगातार अवैध कटाई हो रही है क्षेत्र के लोगों ने अवैध कटाई पर लगाम लगाए जाने की मांग की है।

दीवाल गिरने से तीन बकरियों की मौत

बड़वारा। समीपस्थ ग्राम झरेला में शनिवार की सुबह करीब 07 बजे झरेला ग्राम के निवासी रामखेलावन गड़ारी पिता बहोरी गड़ारी ने घर के सार में 12-13 बकरियों को घर की सार की में बांध दिया था जहां घर की सार की दीवाल गिरने से 03 नग बकरियां घर की दीवाल गिरने दीवाल में दब गईं जिससे उनकी मृत्यु हो गई जिसकी सूचना प्रार्थी रामखेलावन गड़ारी पिता बहोरी गड़ारी ने बड़वारा थाना में लिखित सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है।

हादसे मृत पशुओं का करें व्यवस्थित निष्पादन

कटनी। आपदा प्रबंधन बैठक के दौरान कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा अतिवर्षा, बाढ़ एवं रोड में दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत होने वाले पशुओं को तकनीकी रूप से डिस्पोषजल करने के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. आर के सोनी ने जिले के सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों को संबंधित नगर निगम, नगर पंचायत एवं ग्राम पंचायत से समन्वेय करते हुये स्थासन चिन्हित कर मृत पशुओं को तकनीकी रूप से डिस्पोरजल करने की कृत कार्यवाही से सूचित करने के निर्देश दिये हैं। इसी क्रम में उपसंचालक डॉ. सोनी ने नगरनिगम के एमएसडब्यूगिम प्लांकट पहुंचकर मृत पशुओं के व्येवस्थित व वैज्ञानिक सम्मत निष्पांदन प्रक्रिया व व्यीवस्थापओं का जायजा लिया।

जिले में अब तक 517.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में इस वर्ष रविवार 1 जून से शनिवार 12 जुलाई तक कुल 517.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा इस साल स्लीमनाबाद तहसील में दर्ज की गई है, जहां अब तक 656.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जिले में इसी अवधि में बीते वर्ष कुल 149.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में 246.6 प्रतिशत अधिक औसत वर्षा हो चुकी है। अधीक्षक भू-अभिलेख हर्षवर्धन रामटेके ने बताया कि जिले में आलोच्य अवधि तक कटनी तहसील में 499.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। रीठी में 610.4 मिमी बड़वारा में 445 मिलीमीटर, बरही तहसील में 414 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 546.7 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 502 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 656.8 मिमी तथा ढीमरखेड़ा में 462.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

फल मंडी के व्यापारियों ने अवैध वसूली को लेकर सौंपा ज्ञापन

पहरुआ स्थित फल मंडी के व्यापारियों ने कृषि उपज मंडी समिति के सचिव कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि कुछ लोग उनसे 20 हजार रुपए की अवैध वसूली कर रहे हैं। कृषक साग एवं फल व्यापारी संघ के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद मिश्रा ने बताया कि रवि कछवाह, राहुल कछवाह, गोलू कछवाह, विक्की और अन्नू द्वारा यह वसूली की जा रही है। व्यापारियों के विरोध करने पर उन्हें दुकानें हटवाने की धमकी दी जा रही है। इस कारण व्यापारी भयभीत हैं और उनका रोजमर्रा का व्यापार प्रभावित हो रहा है। दूसरी तरफ संघ के सदस्य रवि कछवाह का कहना है कि सेक्रेटरी के तौर पर 10 लाख रुपए की एफडी जमा करनी है।

भारी बारिश में बह गयी सड़क और पुल

11 और 12 जुलाई की भारी बारिश के दौरान व्यवहारी से सखी मार्ग में रायकरा तालाब के पहले पास प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क और पुल बह गई जिससे आवा गमन बाधित हो गया

ब्यौहारी

सिर्फ साइकिल और मोटरसाइकिल ही निकल सकते हैं उनको भी गिरने का खतरा इसको लेकर के सूचना प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की अधिकारियों को दी गई जिससे उनके द्वारा मुआयना किया गया है ग्राम वासियों की मांग है कि इसको जल्द से जल्द सुधरवाया जाए जिससे गांव में आवा गमन बहाल हो सके।

आधा दर्जन गाँव का सम्पर्क टूटा

ब्योहारी ब्योहारी नगरपरिषद क्षेत्र वार्ड नम्बर एक का वार्डर और ब्योहारी जनपद पंचायत क्षेत्र से लगा साखी ग्राम पंचायत रास्ते में टेड़ी धार नाला में बना पुल 11 - 07 - 2025 दस से बारह घन्टो तक हुई बरिस के कारण ग्राम पंचायत साखी सहित चार ग्राम पंचायत सहित आधा दर्जन गाँव सम्पर्क टूट गया है साथ स्कूल आने छात्र छात्रोंओ सात बाईक पैदल का अवागमन प्रभावित हुआ बाताया जाता हैं कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क व पुलिया का निर्माण पाँच से सात पहले कराया गया था जो कि पुल क्षतिगत होने के बाद पुलिया छड़ (सारिया) का एक टुकडा नहीं है घटिया निर्माण के चलते और गारन्टी से पहले पुल का क्षतिगत होने के कारण समझ आता है कि ठेकेदार द्वारा बहुत घटिया निर्माण पर कार्यवाही किया जाए जो आज ग्रामीण अंचल के लोगों अवागमन बन्द हो गया ग्रामीण अंचल को भोगना पड़ रहा है ग्रामीण अंचल के लोगों कि माँग हैं कि जिला सड़क व पुलिया निर्माण की जांच हो और ठेकेदार खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए*

डैम बैरियर पर देवलोंद पुलिस ने कर्मचारियों से की अभद्रता

मारपीट व डैम में फेंकने की धमकी का आरोप

शहडोल।

जिले के देवलोंद थाना अंतर्गत पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। फरियादी संतोष प्रसाद यादव द्वारा पुलिस अधिकारियों को दी गई शिकायत में बताया गया है कि 4 जुलाई की रात करीब 9 बजे, जब उपमुख्यमंत्री का काफिला निकल चुका था और पुलिस बल वापसी कर रहा था, तभी डैम पर तैनात कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के अनुसार, पुलिस बल देवलोंद डैम के बैरियर से भीतर प्रवेश कर रहा था। सुरक्षा की दृष्टि से बैरियर लगाए गए थे, जिन्हें कर्मचारियों द्वारा नियमित प्रक्रिया के तहत खोला जा रहा था। इसी दौरान देवलोंद थाना के पुलिसकर्मियों द्वारा न केवल गाली-गलौज की गई, बल्कि कर्मचारियों के साथ हाथापाई और मारपीट भी की गई।

एफआईआर दर्ज करने की मांग

शिकायतकर्ता संतोष प्रसाद यादव ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें डैम में फेंकने की धमकी तक दे डाली। इस घटना के बाद उन्हें अपने जीवन को लेकर गंभीर खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कानून की रक्षा करने वाले ही कानून को ताक पर रखकर इस प्रकार का व्यवहार करेंगे, तो छोटे कर्मचारी निडर होकर अपनी ड्यूटी कैसे निभा पाएंगे? संतोष यादव ने इस पूरी घटना की लिखित शिकायत अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) को सौंपी है और संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह न केवल कर्मचारियों के मनोबल को तोड़ेगा, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करेगा।

भयभीत है कर्मचारी

घटना के बाद से डैम क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी भयभीत हैं और उन्होंने भी इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए उच्चस्तरीय जांच और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। हालांकि, इस मामले में देवलोंद थाना की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा मामले की जांच कराए जाने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कर्मचारी संगठनों ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है और जल्द से जल्द दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है। यह मामला एक बार फिर पुलिस और आम कर्मचारियों के बीच शक्ति-संतुलन की बहस को जन्म देता है। सवाल यह भी उठता है कि जब प्रशासनिक अनुशासन की सीमाएं टूटती हैं, तो आम आदमी का विश्वास व्यवस्था पर कैसे कायम रह सकता है? अब देखना यह होगा कि शिकायत पर कितनी गंभीरता से संज्ञान लिया जाता है और क्या वास्तव में दोषियों को उनके कृत्य की सजा मिल पाती है या मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा।

शहडोल में जंगली हाथियों की दस्तक

वन विभाग और पुलिस टीम अलर्ट, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

शहडोल। जिले के दक्षिण वन मंडल क्षेत्र अंतर्गत स्थित विचारपुर, सिंदूरी और कठोतिया गांव में जंगली हाथियों का एक झुंड घुस आया है। शनिवार देर रात से शुरू हुए इस मूवमेंट ने पूरे इलाके में हडक़ंप मचा दिया है। मिनी ब्राजील के नाम से मशहूर विचारपुर गांव की नर्सरी में चार हाथियों के पहुंचने की पुष्टि हुई है। वन विभाग की प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह हाथी उमरिया जिले के घुनघुटी जंगलों से भटकते हुए शहडोल सीमा में प्रवेश कर गए हैं। हाथियों का यह मूवमेंट पिछले कुछ दिनों से ट्रैक किया जा रहा था, लेकिन देर रात अचानक नर्सरी क्षेत्र में उनकी मौजूदगी सामने आई। हाथियों की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच गई। पूरे इलाके को घेरकर निगरानी शुरू कर दी गई है। हाथियों के मूवमेंट को देखते हुए ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है।

ग्रामीणों में डर का माहौल

स्थानीय निवासी बताते हैं कि रातभर हाथियों की चिंघाड़ और मूवमेंट की आवाजें सुनाई देती रहीं। लोग अपने घरों में दुबक गए और खेतों से दूर रहे। कुछ ग्रामीणों ने अपने मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। कई परिवारों ने डर के कारण रतजगा किया। वन विभाग की टीमों ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। साथ ही निगरानी के लिए थर्मल कैमरों और अन्य उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हाथी किसी मानव बस्ती की ओर न बढ़ें, वन संरक्षक स्तर के अधिकारियों ने भी मौके की स्थिति की रिपोर्ट ली है। वन अमले ने आशंका जताई है कि भोजन और पानी की तलाश में यह झुंड जंगल छोडक़र मानव बस्तियों की ओर आ गया है। ऐसे में जब तक हाथियों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस नहीं भेजा जाता, तब तक पूरी सतर्कता बरती जाएगी।

विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए संकुलवार शिविर होंगे आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अब जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोकसेवा केंद्र सहित, तहसील कार्यालय व एसडीएम कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब आसानी से विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र स्कूलों में ही बन जायेंगे। विद्यार्थियों को परेशानी न हो इसके लिए कलेक्टर दिलीप यादव के आदेशानुसार बहोरीबंद विकासखंड मै जाति प्रमाण पत्र बनाने का अभियान शुरू हो गया हैं। बहोरीबंद एसडीएम के द्वारा स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने संकुल वार शिविर आयोजित करने के दिशा -निर्देश जारी कर दिए गये हैं। एसडीएम राकेश चौरसिया के जारी आदेशानुसार शनिवार को संकुल केंद्र तेवरी मै जाति प्रमाण पत्र बनाने राजस्व व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान मै शिविर आयोजित हुआ। जहाँ संकुल अंतर्गत आने वाले 29 स्कूलों के विद्यार्थियों ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने आवेदन किए।

शिविर में मौजूद अधिकारियो ने जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने को लेकर विद्यार्थियों के आवश्यक दस्तावेज जमा कराते हुए आवेदन फार्म पूर्ण किये।

इस दौरान तहसीलदार सारिका रावत, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव, जिला परियोजना समन्वयक प्रेमनारायण तिवारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक प्रशांत मिश्रा, संकुल प्राचार्य मनोज हल्दकार, जनशिक्षक सुरेंद्र झारिया, बलवीर सिंह, अनिल हल्दकार सहित संकुल तेवरी के अंतर्गत आने वाली शालाओं के शाला प्रभारी, हल्का पटवारी उपस्थित रहे।

एसडीएम राकेश चौरसिया ने बताया कि स्कूलों मै अध्ययन रत विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने संकुल वार शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। प्रथम चरण का अभियान 11 जुलाई से शुरू हुआ हैं जो 18 जुलाई तक चलेगा। अभियान के तहत 14 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कूड़ा, 15 जुलाई को बचैया, 16 जुलाई को बहोरीबंद, 17 जुलाई को स्लीमनाबाद ओर 18 जुलाई को सिंहुडी संकुल केंद्र मै शिविर आयोजित होगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शहडोल में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

भाजपा कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल, डॉ. नंदिता पाठक रहीं मुख्य अतिथि

शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शनिवार को शहडोल जिले में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के तहत प्रातः 10 बजे भाजपा जिला कार्यालय शहडोल में पर्यावरण कार्यक्रम की प्रदेश टोली सदस्य एवं शहडोल-रीवा संभाग प्रभारी डॉ. नंदिता पाठक का आगमन हुआ। उन्होंने कार्यक्रम की समीक्षा की और उपस्थित कार्यकर्ताओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. पाठक द्वारा पौधरोपण भी किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, मंडल प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, कार्यक्रम के जिला प्रभारी व भाजपा जिला महामंत्री संतोष लोहानी, सह प्रभारी व जिला कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता, नगर मंडल अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विचार साझा किए गए और बताया गया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान न केवल पर्यावरण की रक्षा का संकल्प है, बल्कि मातृत्व के सम्मान का प्रतीक भी है। इस अवसर पर भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं में संतोष लोहानी, राकेश सोनी, मनोज गुप्ता, निभा गुप्ता (महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष), आशीष तिवारी (जिला महामंत्री, युवा मोर्चा), उर्मिला कटारे (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष), अमित मिश्रा, आदित्य चोपड़ा, मीनू सिंह (पूर्व मंडल अध्यक्ष), शक्ति सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि आने वाले दिनों में पूरे जिले में व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर इस अभियान को जन-आंदोलन में बदला जाएगा। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण सुरक्षा के संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

नगर निगम के दफ्तरों में पानी टपकने एवं सीलन देख निगमायुक्त ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निगमाध्यक्ष मनीष पाठक नें नगर पालिक निगम कटनी कार्यालय परिसर के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण कर नाराजगी व्यक्त की। श्री पाठक नें निगम के उपायुक्त श्री गुप्ता एवं प्र. कार्य.यंत्री श्री मिश्रा से नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारी हमारे निगम परिवार का हिस्सा है कार्यालयीन कार्य को संपादित करनें में इनका महत्वपूर्ण योगदान है, इनकी सुविधाओं का ध्यान रखना भी हमारा दायित्व है ।

खबर संक्षेप

आज शिवालयों में गूजेंगे हर हर महादेव के जयकारे

अनूपपुर। भगवान भोलेनाथ का पवित्र सावन मास की शुरुआत हो गई है। 14 अगस्त को सावन का पहला सोमवार होगा जिसको लेकर नगर के शिव मंदिरों में जोर-जोर से तैयारी की गई हैं। सोमवार को सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का ताता लगेगा।जहां विशेष पूजा अर्चना के साथ रुद्राभिषेक किए जाएंगे। नगर के धर्मशाला मंदिर, पंचायती मंदिर, बस स्टैंड शिव पार्वती मंदिर, ठाकुर बाबा धाम, लहसूई कैंप मंदिर सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। सोमवार सावन का पहला सोमवार पड रहा है जिसको लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मंदिरों में जहां शिवा पूजा के साथ मानस पाठ सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन भी होंगे जो पूरे सावन मास चलेगा। सावन में शिव भक्तों के द्वारा अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, भजन कीर्तन के साथ विशेष पूजा के आयोजन भी किए जाएंगे। पंडित कुंज बिहारी के अनुसार सावन भोलेनाथ का प्रिय माह है। पूजा पाठ, अनुष्ठान , तीर्थ स्थल दर्शन से पुण्य कामों का खास फल मिलता है। सावन मास भक्तों के लिए बहुत ही शुभ फलदायक माना गया है।

जिले में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र जैतहरी में 3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा , बिजुरी , वेंकटनगर , पुष्पराजगढ़ , अमरकंटक तथा बेनीबारी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

पुलिस ने किया अवैध शराब बरामद

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमति आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा ग्राम भर्राटोला पोड़ी संतोष कुमार केवट पिता तीरथ प्रसाद केवट उम्र 36 साल को उसके घर की बाड़ी में कार्टून में 28 पाव ब्लू चीप अंग्रेजी शराब, 26 पाव 8 पीएम अंग्रेजी शराब, 08 पाव आफिसर चाईस, 05 केन बीयर कुल 11.91 लीटर शराब कुल कीमती 11410/- रुपये रखे मिला। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। वापसी पर अपराध धारा 34 ए आबकारी एक्ट का पंजीबध्द किया गया है।

शासन द्वारा खरीफ सीजन 2025 के लिए उर्वरकों का विक्रय दर निर्धारित

अनूपपुर। शासन द्वारा खरीफ सीजन 2025 हेतु उर्वरकों का विक्रय दर निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार डीएपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1350 रुपये, टीएसपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1300 रुपये, एनपीके 12:32:16 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1720 रुपये, एनपीके 10:26:26 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1700 रुपये, एनपीके 14:35:14 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1750 रुपये, एनपीके 16:20:0:13 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1250 रुपये, एनपीके 15:15:15 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1450 रुपये, एनपीके 28:28:0 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1450 रुपये, अमोनियम फॉस्फेट सलफेट 20:20:0:13 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1300 रुपये, अमोनियम सलफेट उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 950 रुपये, एमओपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1535 रुपये, एनपीके 16:16:16 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1475 रुपये, एनपीके 14:28:28 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1650 रुपये, एसएसपी (पाउडर) उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 465 रुपये, एसएसपी (दानेदार) उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 505 रुपये तथा यूरिया उर्वरक 45 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 266.50 रुपये निर्धारित किया गया है। उप संचालक कृषि विभाग अनूपपुर ने किसानों से अपील की है कि शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर उर्वरकों की विक्रय होने की सूचना तत्काल कार्यालय उप संचालक कृषि, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अनूपपुर को दें।

शहर की खूबसूरती को बदनुमा बना रहे अवैध होर्डिंग्स

नपा के जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान, नियमों की चढ़ाई बलि

चौक चौराहों पर अवैध होर्डिंग की भरमार, बेनूर हुई शासकीय इमारतें

अवैध तरीके से लगे होर्डिंग पोस्टर शहर की खूबसूरती बिगाड़ रहे हैं, शहर में ऐसा कोई चौक चौराहा नहीं जहां अवैध होर्डिंग्स की भरमार न हो। अमरकंटक तिराहे से लेकर शंकर मंदिर, इंदिरा चौराहा, खुद नगर पालिका चौराहे समेत हर तिराहे चौराहों पर अवैध होर्डिंग्स अटे पड़े हैं, वही होर्डिंग्स लगाने में सुरक्षा मानकों का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। मजे की बात तो यह है कि नपा के जिम्मेदारों ने आज तक अवैध होर्डिंग लगाने वालों को नोटिस तक देने की जहमत नहीं उठाई।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के विभिन्न चौक-चौराहे व गलियां इन दिनों अवैध होर्डिंग्स और बैनरों से अटी पड़ी है, होर्डिंग्स लगाने की उचित नियमावली होने के बाद भी जिम्मेदारों का अब तक इस पर कोई ध्यान नहीं है, जिसके चलते आए दिनों नगर में अवैध होर्डिंग्स लगाने का कारोबार जमकर फल फूल रहा है और लोग जहां मन आए वहां अवैध होर्डिंग्स लगाकर नगर की सूरत बिगाडने का काम कर रहे हैं। नगर के विभिन्न चौक चौराहों व मुख्य मार्गों पर अवैध होर्डिंग्स लगाने से न सिर्फ नगर की सूरत बिगड़ रही है, बल्कि यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ नगर पालिका को राजस्व का भी नुकसान उठाना पड़ रहा है बावजूद इसके जिम्मेदार इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। नगर की बिगड़ रही व्यवस्था पर जिम्मेदार अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है।

अवैध होर्डिंग के बगैर आयोजन पूरे नहीं

नगर के लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों से जुड़े लोग ही शहर की सूरत को बिगाड़ रहे है। चाहे कोई धार्मिक आयोजन हो या सांस्कृतिक कार्यक्रम या फिर राजनीतिक आयोजन हो नगर में बगैर अवैध होर्डिंगों के आज कल कोई भी आयोजन पूरे नही हो रहे है। पूरा शहर जनप्रतिनिधि सहित अन्य आयोजनों के दौरान अवैध होर्डिंग्स से पट जाता है। ऐसे में शहर की बिगड़ती सूरत को संवारकर इन्हें लगाने वालों पर अंकुश लगाने वाले जिम्मेदार अधिकारी दफ्तरों में बैठकर आराम फरमा रहे है वही नगर में अवैध होर्डिंग्स लगाने वालों या लगवाने वालो पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है।

शान से खड़े होर्डिंग

शहर में सभी प्रमुख मार्गों, चौराहों पर अवैध होर्डिंग की भरमार है। बेशकीमती शासकीय जमीन व दीवारों पर लगे विज्ञापन बोर्ड तमाम सुरक्षा नियमों की भी अनदेखी कर रहे हैं। यही कारण है कि किसी भी वित्तीय वर्ष में नपा को विज्ञापन बोर्ड से आय नहीं हुई। उसके बाद भी शान से खड़े अवैध होर्डिंग्स को हटाने की जहमत नपा प्रशासन ने नहीं दिखाई है।

बेनूर हो गई अधिकांश शासकीय इमारतें

होर्डिंग्स के कारण शहर की अधिकांश शासकीय इमारतें बेनूर हो गई हैं। जिला चिकित्सालय वाले मार्ग पर लगे होर्डिंग एवं तहसील सहित कलेक्ट्रेट मार्ग पर लगे होर्डिंग ने पूरे शहर की खूबसूरती पर बदनुमा दाग लगा दिया है। अमरकंटक तिराहे से कालेज तक चारों तरफ विद्युत खंभों मे इस तरह होर्डिंग्स लगे हैं कि भवन के मुख्य द्वार को छोड़कर कुछ भी नजर नहीं आता है।

नोटिस देकर खानापूर्ति

वर्तमान समय में शहर में अनुमति से कई गुना होर्डिंग लगी हुई हैं। नगर पालिका द्वारा इन अवैध होर्डिंगों को लगाने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई के नाम पर कभी नोटिस जारी तक जारी नहीं किया जाता, बताया जाता है कि होर्डिंग ठेकेदारों ने संभवतः आज तक नपा पालिका में राशि तक जमा नहीं कराई है, इसके बावजूद ठेकेदारों की होर्डिंग धड़ल्ले के साथ शहर के प्रमुख चौराहों पर नजर आ रही हैं। इन ठेकेदारों द्वारा स्वच्छता अभियान के लिए नगर पालिका द्वारा लगाई गई होर्डिंगों के ऊपर भी अपनी होर्डिंग लगा दी जाती है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि बगैर शुल्क जमा किए शहर भर में लग रही इन होर्डिंगों को लगाने की अनुमति कौन दे रहा है?

हो सकते है बड़े हादसे

चौराहों से गुजरते वक्त राहगीरों का ध्यान न भटके और चारों ओर से आने वाली गाडिय़ां स्पष्ट रूप से दिखाई दें, इसके लिए चौराहों से 15 मीटर दूर होर्डिंग लगाने का प्रावधान है, लेकिन शहर के अधिकांश चौराहे होर्डिंग से पटे हैं। बेतरतीब ढंग से लगे ये होर्डिंग न सिर्फ शहर की सूरत बिगाड़ रहे हैं, बल्कि नगर पालिका को लाखों के राजस्व का नुकसान भी पहुंचा रहे हैं।

ये हैं होर्डिंग्स लगाने के नियम

* यातायात किसी भी तरह से प्रभावित न हो।
* सुरक्षा की दृष्टि से सभी मापदण्डों को पूरा किया गया हो।
* जमीन से ऊंचाई के हिसाब से ही मजबूत फाउंडेशन बनाया जाए।
* होर्डिंग्स का निचला हिस्सा जमीन से कम-कम से 12 फीट ऊपर होना चाहिए।
* हवा पारगमन के लिए उसमें बारीक छेद भी होना चाहिए।
* किसी भी भवन की छत पर होर्डिंग्स नहीं होना चाहिए।

शिक्षकों का फिजिकल एजुकेशन इन्सट्रक्टर विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दृष्टि से शिक्षकों का फिजिकल एजुकेशन इन्सट्रक्टर (शारीरिक शिक्षा अनुदेशक) विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में 09 जुलाई से 11 जुलाई तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को हैण्डवॉल, बॉलीवॉल, खो-खो, फुटवॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स एवं परम्परागत खेल जैसे गिल्ली डंडा, लगोरी, कुर्सी दौड, जल-थल, आकास पाताल, बोरा दौड, लगडी दौड एवं हॉच-पौच एवं शारीरिक संतुलन से संबंधित खेलो पर चर्चा एवं उनके नियम, मैदान का मापन आदि चीजो से अवगत कराया गया। साथ ही खिलाडियों का संतुलित आहार, एन.ई.पी. खेल पर चोट एवं उसके उपाय, सचेतन, फिजिकल लिट्रेसी, फिजिकल वेलवेन, सोशल इमोशनल एवं इथिकल, स्पोर्टस साइकोलॉजी आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो, ए.पी.सी. देवेश सिंह बघेल, सहायक संचालक ओंकार सिंह धुर्वे, शिक्षकगण आदि उपस्थित थे। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर उपेन्द्र कुमार मिश्रा, शिवकुमार मार्को, संजीव कुमार शर्मा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के समापन में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

शोध निर्देशक के दुर्व्यवहार से व्यथित पीएचडी छात्रा

शोध निर्देशक बदलने की कर रही मांग पर नहीं सुन रहे जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

जिले के अमरकंटक पोडकी में संचालित इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आये दिन सुर्खियों में रहता है। ऐसा ही एक मामला एक छात्रा ने अपने साथ दुर्व्यवहार किए जाने के संबंध में प्रोफेसर के खिलाफ अप कुल सचिव को लिखित में कई बार कर चुकी है लेकिन उसे प्रोफेसर की हरकत में सुधार नहीं होने के कारण छात्र मानसिक रूप से परेशान है। छात्र के द्वारा कुल सचिव को लिखे पत्र में लेख किया है कि मेरा शोध निर्देशक बदला जाये। साथ ही उक्त छात्रा ने शिकायती पत्र में लेख करते हुए बताया कि इतिहास विभाग में डॉ देवेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में शोध छात्रा हूँ. मेरा पीएचडी पंजीयन 22-2-2021 को हुआ था. मेरा पीएचडी नामांकन संख्या 2001356004 है। मेरे शोध का विषय सरगुजा अंचल में शाक्त धर्म का अध्ययन प्रारंभ से 13वी सदी ईसवी है। मैं शोध प्रवेश 22-02-2022 से वर्तमान समय तक विभाग में सतत उपस्थित रही हू एवं अपने शोधकार्य में सतत संलग्न रही हूं तथा समय समय पर विभाग द्वारा निर्धारित किए गए उत्तरदायित्व का निर्वहन करती रही हूं। वर्तमान समय में मैंने अपने शोध संबंधी सारे कार्य पूर्ण कर लिए हैं तथा शोध लेखन का अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिया है। मैंने अपने लिखित चैप्टरों को अनेक बार अपने शोध निर्देशक को उपलब्ध कराया जिसे शोध निर्देशक ने उन्हे सरसरी तौर पर देख कर हर बार गलत बता कर सुधार करने हेतु कहा। मेरे द्वारा लिखे गए शोध अध्याय की कई संधोधित प्रतियां सुधार

करने के बावजूद भी उनके द्वारा मेरे कार्य को गलत बता कर रिजेक्ट कर दिया जाता है। उनका अवलोकन पूर्ण रूप से नहीं किया जाता। मैंने अपने शोध सम्बन्धी प्रथम अध्याय की पहली ड्राफ्टिंग 31-05-2022 को मेल द्वारा भेजी। इसी क्रम में 6-6-2022 प्रथम अध्याय की दूसरी प्रति मेल द्वारा भेजी। 21-06-2022 को सिनोप्सिस, 30-07-2022 संदर्भ सूची, 26-09-2022 को संदर्भ सूची की दूसरी प्रति मेल के द्वारा भेजा। इसके पश्चात अपने फील्ड कार्य में संलग्न रही जिसकी रिपोर्ट मैंने विभागीय सेमिनार के पश्चात अपने सुपरवाइजर को 11-09-2023 मै अपने विभाग में जमा की जिसे उनके द्वारा रिजेक्ट कर दिया गया। इसके पश्चात मैंने इसकी दूसरी प्रति 12-09-2023 को जमा की इसके पश्चात भी सुपरवाइजर के असंतुष्ट होने के बाद उसे भी रिजेक्ट कर दिया। इसके पश्चात मैंने 1 सप्ताह उपरांत तीसरी प्रति जमा की, किन्तु मेरे सुपरवाइजर ने मेरे द्वारा लिखे गए मेरे शोध अध्यायों को ना स्वीकार किया और ना ही उनका अवलोकन किया। वह मेरे प्रति दुर्भावना पूर्ण व्यवहार करते हैं, मेरे दस्तावेज जैसे प्रगति प्रतिवेदन, छात्रवृत्ति, कंटीन्जेंसी, पर हस्ताक्षर नहीं करते जिस वजह से मेरा 9 महीने का छात्रवृत्ति और कंटीन्जेंसी लेने से मैं वंचित रह गई। एक बार तो तत्कालीन विभाग अध्यक्ष के हस्तक्षेप करने के पश्चात ही हमें छात्रवृति मिल सकी थी। मेरे सुपरवाइजर द्वारा मेरे साथ निजी तौर पर बदसलुकी एवं दुर्व्यवहार किया जाता है। विगत 13-02-2025 को भी विभाग में अपने चैम्बर के बाहर सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ बदसलूकी एवं दुर्व्यवहार किया गया। उस दिन मेरे द्वारा अपने शोध कार्य के तीसरे एवं चौथे अध्याय की प्रति देने का प्रयास करने एवं उस दिन के प्रस्तावित प्रेजेंटेशन बारे में पूछने पर वे अपने चेंबर के बाहर कई लोगों की उपस्थिति में मुझसे बदतमीजी करने, विभाग से अनुपस्थित रहने और इतिहास विभाग के व्हाट्सप्प ग्रुप में मेरे द्वारा कटाक्ष करने का आरोप लगाते हुए बुरा भला कहा मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह के आए दिन के इस प्रकार के दुर्व्यवहार से व्यथित हूँ। इस तरह के लगातार उत्पीड़न से मैं कई महीनों से तनाव ग्रस्त रहने लगी हूँ जिससे मेरे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिकायती पत्र के माध्यम से छात्रा ने मांग किया है कि डॉ देवेंद्र सिंह के स्थान पर किसी अन्य शोध निर्देशक के अधीन स्थानांतरित किया जाये।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रैली का किया गया आयोजन

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रांतीय आवाहन पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा 13 जुलाई को इ अटेंडेंस के विरोध में एवं नियुक्ति दिनांक से सेवावाद की गणना करते हुए पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रैली का आयोजन किया गया जिसमें कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन मे लेख किया गया कि शिक्षकों को दोषपूर्ण ई अटेंडेंस व्यवस्था लागू न की जावे। जिन जिलों में यह व्यवस्था लागू की गई है उसे तत्काल समाप्त कर जो अटेंडेंस व्यवस्था मध्यप्रदेश के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को लागू है वही अटेंडेंस व्यवस्था शिक्षकों पर भी लागू रखी जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग को भी राज्य एवं केन्द्र के अन्य कर्मचारियों की भांति प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करके पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जावे। आई एफ एम एस पोर्टल में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की जो नियुक्ति दिनांक 01-07-2018 दर्ज है उसे सुधार कर उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक अंकित की जावे। गुरूजियों को उनकी नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग के पदोन्नति और लंबित क्रमोन्नति के आदेश शीघ्र जारी जारी एरियर्स राशि का भुगतान किया जावे। जनजाति कार्य विभाग के कार्यरत अध्यापक शिक्षक संवर्ग और स्कूलों को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किया जावे। अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल कर शत-प्रतिशत दिवंगत अध्यापक शिक्षक संवर्ग के आश्रित परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग की रूकी हुई हड़ताल अवधि की वेतन का भुगतान किया जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग को कैस लेश मेडिकल क्लेम की सुविधा प्रदान की जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग से सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करके उनको ग्रेच्युटी का भुगतान किया जावे। स्कूल शिक्षा विभाग से जनजाति कार्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षकों को और जनजाति कार्य विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षकों को उसी विभाग में मर्ज कर उसी विभाग के द्वारा क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान, पदोन्नति आदि के समस्त लाभ प्रदान किए जाएं। शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त रखा जावे। गुरु जिओ का जिनका अभी तक ना तो अध्यापक संवर्ग और ना ही प्राथमिक शिक्षक में संविलियन हुआ है उनका संविलियन कराया जाए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु पूजन समर्पण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के अलग - अलग हिस्सों मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरुपूजन समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय मे सोमवार की शायं गुरुपूजन समर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्वयंसेवकों और गणमान्य जनों में इस पुनीत कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। गुरुपूजन का कार्यक्रम सोमवार की शायं चार बजे प्रारंभ होगा। यह आयोजन खण्ड स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। रविवार की सायं अनूपपुर के श्री रामजानकी मन्दिर मे पहली बार गुरुपूजन समर्पण का कार्यक्रम ध्वज वंदना के साथ गरिमामय तरीके से संपन्न हुआ। उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा भगवा ध्वज को गुरु मान कर उनकी पूजा वंदना की गयी। तत्पश्चात लोगों ने यथाशक्ति समर्पण कार्य किया। इससे पूर्व कन्हैया मिश्रा सहित अन्य लोगो को संबोधित करते हुए जिला संघ चालक राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भगवा ध्वज को गुरु रुप मे अपनाने के तीन कारण हैं। यह आध्यात्मिक सांस्कृतिक सनातन धर्म का प्रतीक है। भगवा ध्वज से स्वयंसेवक शील, अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव ग्रहण करता है और राष्ट्रवादी, आध्यात्मिक संस्कृति को मानने वाले लोग इसे युगो - युगों से शौर्य, समर्पण और आध्यात्म का प्रतीक मानते हैं। उन्होने कहा कि शिष्यों मे गुरु के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। भगवा ध्वज को गुरु मानकर उनके प्रति समर्पण, निष्ठा का भाव रखने वाले करोड़ो स्वयंसेवक प्रति वर्ष सामर्थ्य के अनुसार गुरु समर्पण

करते हैं और हमे भी करना चाहिए। परमपूज्य सरसंघचालक जी ने कहा है कि संघ के संचालन के लिये समर्पण के साथ सेवा, धन, समय का समर्पण करना चाहिए। संघ कोई राजनैतिक संगठन नहीं है। हम समाज, राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं।हम जाति, पंथ, धर्म से ऊपर राष्ट्र के लिये सामाजिक समरसता का कार्य करते हैं। भविष्य मे इस क्षेत्र मे आप सबके सहयोग से कार्य करने की जरूरत है। श्री तिवारी ने अपील की कि जब आप समाज को समय देगें और समाज के साथ खड़े होगें तो मौका आने पर समाज आपके साथ खडा होगा। सामाजिक धार्मिक गतिविधियों मे तन, मन, धन से सहयोग करें और उसके सक्रिय सहभागी बनें। हम आप जागेगें तो समाज और देश मजबूत होगा। देश के कोने - कोने मे और विदेशों मे भी संघ के विभिन समाजसेवी प्रकल्प संचालित हैं। यह सब समाज के सहयोग से संभव हो रहा है। इसी दिन देर शाम जैतहरी मे गुरुपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।